

946

अर्जुन सिंह
राष्ट्रपति
उत्तराखण्ड शासन।

५३८ म

महानिदेशः
त्रिवित्तरा स्वस्थस्य एव परिहारः कान्त्यात्
उत्तराद्यत्नं महाराष्ट्रम्।

चिकित्सा अनुभाग-३

दिनांक 10 फरवरी 2006

विषय: सामुदायिक केंद्र टनकपुर जनमद बन्वाला से मदन निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु अवशेष धनराशि की स्वीकृति।
महोदय

सुपरगुल विषयक आपकी धन सं०-75/संगुल/40/2002/2400 दिनांक 15.9.2004 के सती में ज्ञात आगन्तुका सं०-464/वि०-3-2002-54/2003 दिनांक 29.3.2003 के कम में भुक्त यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राजेश्वर महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2004-2005 में सामुग संगुल कस्बा स्तम्भपुर के खपन निर्माण वर्गों को पूर्ण करवा देने सम्बन्धित रूप 94 12 000-00/सुचौरागर्ब लाख बाबत हजार पत्रों की धनराशि के व्यय हेतु स्वार्थ स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सत्र के सत्रावधि संचालित प्रत्येक वर्ष किया जायेगा तथा क्या भी अनुमानित लागत तक ही रखा जाएगा।

३- निर्माण कार्य दिनांक ३१.३.२००६ तक पूर्ण कर दिया जाएगा।

५- उक्त धनराशि कोषागार से सम्पत्ति आवृत्ति की जायेगी तथा निर्लेखन इन्फॉर्मिटी परिप्रेक्षता प्रवर्धन सम्पन्न कल्याण निर्माण विभाग स्तरागत को नृपसम्यक् केवली नाविकी: कर्तव्य सम्पन्न कर के पूरा सम्पन्न स्तर को अनुसंधान अवस्था में कर लिया जाये। स्वीकृत धनराशि को सम्पन्न प्रत्येक दशा में इकाई निर्माण कार्य की अवधि सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्येक में अनुसंधान कार्य को दिया जायेगा।

6- स्वयंभूत धनराशि के आधार पर दो स्वयंभूत अलग-अलग संस्था ७ दिनांक की सूचना आचार्य अग्रवाल को भेजकर कराये जायेंगे। स्वयंभूत संस्था की मूल शासनादेश की शर्तों पर ध्यान देकर रहनी है।

6-रक्षकता धनरक्षि के आहरण से सम्पन्नित हस्त पुस्तिका में चन्द्रिचित्त आभिमानी एवं मज्जत वस्तुओं में स्थान देना विचार्यमा।
 की संवध में समग्र-समग्र पर निर्गत आशय के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

7- धनराशि उन्हीं योजनाओं में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति दी जा रही है।

8- रबीकृत धनराशि को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक घरा में प्रत्येक माह को 07 तारीख तक राशन को उपलब्ध करायी जायेगी।

9- उक्त ध्येय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक में अनुदान राख्या -12 के संस्थाधीनक 421ए-चिकित्सा तथा सौक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिवर्धन -आयोजनागत -01 शरीर स्वास्थ्य संयोज -110 अस्पताल तथा आश्रमालय-12 तालसील विशिष्ट चिकित्सा -00- 24-वृहत निर्माण कार्य के अन्तर्गत इन्फर्मीयों के नामे टाला जखमा ।

10— यह आदेश वित्त विभाग के आशाओ स्रो-2319/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 8.2.2005 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोक्त

1992]

१. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ समझिए।
सम्यक्त्व, शास्त्र

संख्या व दिनांक सर्वेक्ष

प्रतिलिपि निम्नलिखित को गृहमुख एवं आवरणक जगहों पर हट्ट प्रेषित :-

- 1- महासहाकार, उत्तरांचल, भागलपुर।
- 2- निर्देशक, खाद्यान्न, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- ज्येष्ठ सहायक, खाद्यान्न, भागलपुर।
- 4- जिलाधिकारी, सम्भलपुर।
- 5- मुख्य चिकित्साधिकारी, सम्भलपुर।
- 6- परियोजना प्रबंधक, समाज कल्याण, निर्माण विभाग, उत्तरांचल।
- 7- निजी सचिव मा० मुख्य मुख्यमंत्री।
- 8- वित्त अनुभाग-2 / निर्माण विभाग / एन.आई.सी।
- 9- मार्ट फाईल।


आज्ञा है
(अर्जुन सिंह)
अध्यक्ष सभा

शासनादेश सं० 682/XXV III-(3)-2004-54/2003 दिनांक 10.12.2004 का संलग्नक

(धनराशि लाख रु० में)

क्र. सं०	कार्य का नाम	योजना का संख्या	पूर्व में आवमुक्त धनराशि	वर्ष 2004-05 में स्वीकृत धनराशि
1	2	3	4	5
	सामुदायिक केंद्र टनकपुर का भवन निर्माण।	174.12	80.00	94.12

(रु० चौरानवे लाख बारह हजार मात्र)


(अनिल सिंह)
संगठन सचिव।